This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. **....................**

Sl. No. of Ques. Paper	**: 3132**	**F-5**
Unique Paper Code	**: 2051501**	
Name of Paper	**: Sahitya Chintan – I**	
Name of Course	**: B.A. (Hons.) Hindi**	
Semester	**: V**	
Duration	**: 3 hours**	
Maximum Marks	**: 75**	

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

(परीक्षा के दौरान प्रश्न-पत्र पर इसके अलावा और कुछ मत लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रस सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्यों एवं उनकी स्थापनाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

'गुण' और 'रीति' से क्या तात्पर्य है? वामन के गुण-विवेचन का मूल्यांकन कीजिए। 10

2. वक्रोक्ति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए कुंतक के वक्रोक्ति सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

अथवा

औचित्य सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं का परिचय दीजिए। 10

3. काव्य हेतु के संबंध में भारतीय आचार्यों के मतों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'लक्षणा' शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का निरूपण कीजिए। 10

4. (क) आचार्य दण्डी की मान्यताओं का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

आचार्य अभिनवगुप्त की प्रमुख स्थापनाओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) नाटक में अभिनेयता के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गीतिकाव्य के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

(ग) वर्णविन्यास वक्रता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Turn

अथवा

ध्वनि काव्य के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 6×3=18

5. (क) किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए:

   अनुप्रास, उपमा, रूपक, असंगति। 3×2=6

   (ख) किन्हीं **दो** छंदों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए:

   दोहा, रोला, हरिगीतिका, सवैया। 3×2=6

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

   (क) खंडकाव्य

   (ख) कहानी

   (ग) उपन्यास

   (घ) निबन्ध। 7+8=15